SHRI RAVICHANDRAN ASHWIN

Shri Ravichandran Ashwin is a renowned Indian Cricketer.

2. Born on 17th September, 1986 in Chennai, Shri Ashwin is one of few names who embody intellect, skill & relentless pursuit of excellence in the grand tapestry of Indian cricket. His journey has been one of reinvention from bowling tennis-ball off-spin in West Mambalam to conquering the grandest arenas of world cricket. He is a trained engineer but a scientist on the field. He did not just play the game, he deconstructed and redefined it.

3. Shri Ashwin debuted for India in 2010. The world saw him as an off-spinner, but what they didn't see was the strategist behind the deliveries. In an era when finger spinners were expected to contain, he attacked. The carrom ball wasn't just a variation; it was a statement. Over the years, he became India's greatest match-winner on home soil, spinning webs around the best. With 537 wickets in 106 Tests, he stands as India's second-highest wicket-taker, while six Test centuries prove his mastery extended to batting as well.

4. Shri Ashwin is a cricketing polymath, evolving constantly, from outfoxing Cook in 2018 to dismantling Smith and Labuschagne in 2020. He adapted to T20 cricket, excelling even as the format favoured wrist spinners. His role in India's 2011 World Cup win was brief but crucial and when the time came to give back, he did it in the most Ashwin way: through his YouTube channel, where he deciphers cricket's nuances, educates fans, and busts myths with his trademark insight.

5. Shri Ashwin has been honoured with many awards such as the Arjuna Award in 2014, ICC Cricketer of the Year in 2016, multiple Test Team of the Year selections. But his legacy goes beyond trophies. It lies in his insatiable hunger for knowledge, his ability to outthink the best & his contribution to the game's intellectual discourse. He redefined spin bowling, transformed cricketing intellect into an art & inspired a generation.

श्री रविचंद्रन अश्विन

श्री रविचंद्रन अश्विन एक प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर हैं।

2. 17 सितंबर, 1986 को चेन्नई में जन्मे, श्री अश्विन उन कुछ नामों में से एक हैं, जो भारतीय क्रिकेट के भव्य ताने–बाने में बुद्धिमत्ता, कौशल और उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रतीक हैं। उनकी यात्रा वेस्ट माम्बलम में टेनिस–बॉल ऑफ़–स्पिन गेंदबाजी से लेकर विश्व क्रिकेट के सबसे भव्य मैदानों पर विजय प्राप्त करने तक की पुनर्खोज रही है। वह एक प्रशिक्षित इंजीनियर हैं, लेकिन मैदान पर एक वैज्ञानिक हैं। उन्होंने सिर्फ़ खेल नहीं खेला, बल्कि इसे फिर से बनाया और पुनः परिभाषित किया।

3. श्री अश्विन ने वर्ष 2010 में भारत के लिए पदार्पण किया। दुनिया ने उन्हें एक ऑफ़–स्पिनर के रूप में देखा, लेकिन प्रत्येक गेंद फेकने के पीछे जो रणनीति वह अपनाते थे उसको नहीं देखा। ऐसे युग में जब फिंगर स्पिनरों से उम्मीद की जाती थी कि वे रनों पर लगाम लगाए, उन्होंने आक्रमण किया। कैरम बॉल सिर्फ़ एक बदलाव नहीं था; यह एक शैली थी। पिछले कुछ वर्षों में, वे घरेलू मैदान पर भारत के सबसे बड़े मैच विजेता बन गए, जिन्होंने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को अपने स्पिनिंग जाल में फंसाया। 106 टेस्ट मैचों में 537 विकेट के साथ, वे भारत के दूसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं, जबकि छह टेस्ट शतकों ने साबित किया है कि बल्लेबाज़ी में भी उन्हें महारत हासिल है।

4. श्री अश्विन क्रिकेट के क्षेत्र में एक बहुमुखी खिलाड़ी हैं, जो वर्ष 2018 में कुक को मात देने से लेकर वर्ष 2020 में स्मिथ और लाबुशेन को ध्वस्त करते हुए लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने टी20 क्रिकेट भी खेला, यहाँ भी उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जबकि क्रिकेट का यह प्रारूप अक्सर कलाई का प्रयोग करने वाले स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार होता है। भारत की वर्ष 2011 विश्व कप जीत में उनकी भूमिका छोटी लेकिन महत्वपूर्ण थी और जब कुछ योगदान देने का समय आया, तो उन्होंने इसे अपने तरीके से किया: अपने यूट्यूब चैनल के माध्यम से वह क्रिकेट की बारीकियों को समझाते हैं, प्रशंसकों को शिक्षित करते हैं, और अपनी विशिष्ट अंतर्दृष्टि के साथ मिथकों को तोड़ते हैं।

5. श्री अश्विन को वर्ष 2014 में अर्जुन पुरस्कार, वर्ष 2016 में आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर, कई टेस्ट टीम ऑफ द ईयर चयन जैसे कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, लेकिन उनकी विरासत ट्रॉफियों से कहीं आगे है। उनके अंदर ज्ञान के लिए उनकी अतृप्त भूख, सर्वश्रेष्ठ को मात देने की उनकी क्षमता और खेल के बौद्धिक विमर्श में उनके योगदान निहित है। उन्होंने स्पिन गेंदबाजी को फिर से परिभाषित किया, क्रिकेट की बुद्धिमत्ता को एक कला में बदल दिया और एक पीढ़ी को प्रेरित किया।